बाराबंकी में डेंगू का कहर

ओपीडी, ब्लड बैंक, ट्रॉमा सेंटर मरीजों से भरे, कम पड़ रहे संसाधन, अस्पताल प्रशासन बेबस

2000	400	24	140
मरीज आ रहे हैं प्रतिदिन	मरीज बुखार के होते हैं	की अब तक मौत	बेड है जिला अस्पताल में

NBT LIVE

स्थान : जिला अस्पताल की ओपीडी, समय : सुबह के 9 बजे

■ **एनबीटी, बाराबंकी :** यहां मरीजों की लाइनें लग चुकी हैं। फार्मेसिस्टों की हड़ताल के कारण काउंटर बंद हैं। लाइन में लगे लोगों ने बताया कि फार्मेसिस्टों की दो घंटे की हड़ताल है। हड़ताल 10 बजे खत्म होगी। इसके बाद ही दवाएं मिल पाएंगी। लेकिन लाइन से अगर हट गए तो शाम यहीं पर हो जाएगी।

यह कुछ तस्वीरें हैं बाराबंकी में वायरल फीवर व डेंगू के बढ़ते खौफ के। इन्हें एनबीटी रिपोर्टर ने सुबह 9 बजे से शाम साढ़े तीन बजे के बीच कैमरे में कैद किया है। इस दौरान अस्पतालों में देखा गया कि डेंगू से कहीं ज्यादा इसका खौफ लोगों के दिलों में है। इसी कारण खून की जांच को पैथॉलजी में भीड़ जुट रही है। वहीं रोजाना जिला अस्पताल में औसतन 2000 मरीज पहुंच रहे हैं। ऐसे में यहां के संसाधन कम पड़ रहे हैं। कहीं फर्श पर ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा है तो कहीं पर स्ट्रेचर ही बेड बन गया है। ईएमओ डॉ. अमित वर्मा ने बताया कि हॉस्पिटल के मिनी ट्रॉमा और हार्ट के वार्ड में 40 बेड है। जबकि 24 घंटे में सिर्फ इमरजेंसी में 90 से 100 लोग भर्ती लायक आ रहे हैं। ऐसे में सभी को बेड दे पाना मुश्किल हो रहा है। इंडोर वार्ड में 100 बेड है, पर वहां पर अन्य बीमारियों के लोगों को भर्ती करना पड़ रहा है। कहा कि डेंगू का खौफ इस कदर है कि साधारण बुखार पर भी कोई यहां से ठीक हुए बगैर नहीं जाना चाहता है।

स्थान : जिला अस्पताल का मिनी ट्रॉमा सेंटर, समय: 3 बजे

पोर्टिको से अंदर घुसते ही अफरातफरी का माहौल, शहाबपुर निवासी 18 साल के मो. अहमद तेज बुखार की चपेट में हैं। उनके पिता गोद में लिए कुदकुदाते हुए बाहर निकले रहे हैं। पूछने पर बताया कि सुबह 11 बजे आए थे। चार घंटे हो गए एक इंजेक्शन के बाद से फर्श पर बिठा दिया गया है कि जब बेड खाली होंगे तभी भर्ती हो पाएगी। बेटे की हालत बिगड़ रही है। इसलिए प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जा रहा हूं। उसके चेहरे की बेबसी हालात को बयां कर जाती है।

आगे बढ़ने पर हाल में पांच मरीज स्ट्रेचर पर लेटे थे और वहीं पर ड्रिप भी दीवार का सहारा लेकर चढ़ाई जा रही थी। छत के पंखे नदारद थे और मरीज बेबस, इसलिए परिवारीजन हाथ के पंखों से हवा दे रहे थे। नगर के भितरी पीरबटावन की शफीकुल निशां (25) को बेंच पर लेटाकर ड्रिप चढ़ाई जा रही थी। परिवार के लोगों ने बताया कि शफीकुल निशां को पिछले तीन दिनों से तेज बुखार आ रहा था। प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा था। परेशानी बढ़ने पर वह सोमवार को यहां पर लेकर आए पर बेड खाली न होने से उसे बेंच पर ही लिटाकर ग्लूकोज देना शुरू कर दिया गया। ऐसे ही एक बगल की बेंच पर इनायतपुर के जसवंत (35) को बेंच पर लिटाकर ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा था। जसवंत ने बताया कि उसे तीन दिनों से तेज बुखार आ रहा है। सीएचसी देवा में इलाज करवाया पर बुखार नहीं उतरा तो उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

स्थान - जिला अस्पताल का ब्लड बैंक, समय- 3:20 बजे

प्रयोगशाला में लैब टेक्निशन ब्लड की जांचों को तैयार करने में व्यस्त दिखे। कमरे के बाहर ब्लड सैंपल की रिपोर्ट मिलने के इंतजार में खड़े करीब 50 लोग। फतेहपुर के रामनारायण ने बताया कि बेटे को तीन दिनों से बुखार है। सुबह सात बजे ही उसे लेकर यहां पर आया था। पर्चा बनवाने और डॉक्टर को दिखाने पर दोपहर एक बजे गए। दवा काउंटर पर लाइन में करीब एक घंटा लगना पड़ा। लैब टेक्निशन शोभनाथ बताते हैं कि बढ़ती संख्या के चलते ब्लड जांच की संख्या दो से तीन गुना तक बढ़ गई है। औसतन 250 ब्लड सैंपल की जांच रोज करनी पड़ रही है। कहते हैं कि रोग से ज्यादा मरीजों में खौफ है, इसलिए सभी की चाहते हैं कि उनकी डेंगू से जुड़ी जांच हो जाए।

तस्वीर बोलती है

NBT

फोटो बाराबंकी के मिनी ट्रॉमा सेंटर की है। इसका उद्घाटन करवाकर बिल्डिंग में पत्थर तो लगवा दिया गया है, लेकिन स्टाफ बढ़ा न ही डॉक्टर। स्थिति यह है कि बेंच पर मरीज को ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा है। ऐसे में बेंच के ठीक ऊपर लगा सीएम के नाम का पत्थर व्यवस्था को मुंह चिढ़ा रहा है। बेंच पर लेटा शख्स इनायतपुर का जसवंत है।

इस फोटो में फायर उपकरण का प्रयोग बतौर ड्रिप स्टैंड किया गया है। इससे पता चल रहा है कि व्यवस्था नहीं होने के बावजूद जो भी डॉक्टर कर सकते हैं वो मरीजों के लिए कर रहे हैं। शायद इसलिए ही डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप माना गया है।

डीएम ने बुलाई आपात बैठक, कहा सजग रहें

■ **एनबीटी, बाराबंकी:** डेंगू व बुखार के बढ़ते मरीजों को देखते हुए डीएम अजय यादव ने स्वास्थ्य, पंचायतराज, नगरीय निकाय के अधिकारियों को अलर्ट किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में बुखार एवं डेंगू के प्रकोप के कारण जिले में सामान्य बुखार को भी डेंगू मानते हुए जन सामान्य में एक घबराहट की स्थिति व्याप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सुबह प्रार्थना सभा अनिवार्य की जाए तथा उस दौरान शिक्षक,बच्चों को साफ-सफाई के प्रति सजग करें।

नगरीय निकाय में स्वच्छ जल व साफ सफाई के प्रबंध, दस बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाने के निर्देश दिए। डीआरडीए सभागार में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की इस इमरजेंसी बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए डीएम ने असन्तोष जाहिर किया। कहा कि काम नहीं तो वेतन भी नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा योजना कार्यक्रम अन्तर्गत लक्ष्य के सापेक्ष तेजी और सुधार न होने पर सम्बन्धित कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाई होगी।